

उत्तरांचल शासन
चिकित्सा अनुभाग-1
संख्या: 1564 / xxv || (1)-2004-27 / 2003
देहरादून: दिनांक 19 अक्टूबर, 2004

अधिसूचना

प्रकीर्ण

तात्कालिक प्रभाव से उत्तरांचल (संयुक्त प्रांत भारतीय चिकित्सा अधिनियम 1939) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 के भाग-2 नियम-5 के उपनियम-1 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राज्यपाल महोदय "भारतीय चिकित्सा परिषद् उत्तरांचल" का गठन निम्नानुसार करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। परिषद् का कार्यकाल उक्त अधिनियम के भाग-2 की धारा-14 के अधीन अधिकतम 03 वर्ष होगा:-

(क) डा० पारस कुमार जैन, हरिद्वार	अध्यक्ष
(ख) पद्मश्री वैद्य श्री बालेन्दु प्रकाश, (बी.ए.एम.एस.) देहरादून	सदस्य
(ग) डा० मायाराम उनियाल, (बी०ए०एम०एस०) (निदेशक, महर्षि आयुर्वेद नोएडा) टिहरी गढ़वाल	सदस्य
(घ) डा० विनोद कुमार जोशी, (एम०डी०) रसशास्त्र, हल्द्वानी	सदस्य
(ङ) डा० रतन लाल अरोड़ा, (बी०एम०एम०एस०) रूद्रपुर	सदस्य
(च) डा० रघुनाथ जुयाल, अध्यक्ष विश्व आयुर्वेद परिषद्, देहरादून.	सदस्य

(एस०के०दास)
प्रमुख सचिव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

10. गैड फाइल।
11. एन.आई.सी।

प्रतीप पक्षकीर्ति प्रविशामः॥ प्रतीप लक्षणान्तरं हि प्रकृतं त्रिकं नाष्ट्रं च प्रविश्यात्
पक्षोक्तं कश्चिन्नामकं प्रतीपम्। नैऋतं नाष्ट्रं त्रिकं च प्रकृतं त्रिकं नाष्ट्रं च प्रविश्यात्

-गाम्बि डेड ६० फलकडिआ नमिआ, कं ५१-१५१११०५

(स्नेहलता अग्रवाल) 18/707

अपर सचिव।

प्राप्तिक्रम, जति प्राप्तिक्रम १२५० ०३३ (७)

[illegible][illegible]

(08/08/2022) दिनांक: ०८/०८/२०२२

(01570570870015), 11/11/18 11:11 AM (2)

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(17/50650199)

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥